भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 2972
गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024/21 अग्रहायण,1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

बजटीय आवंटन में कमी

2972. श्री बैन्नी बेहननः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि खराब अवसंरचना के बावजूद वर्ष 2023-24 और 2024-25 के बजट अनुमान के बीच मंत्रालय के बजटीय आबंटन में 756.22 करोड़ रुपए की भारी कमी हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) नागर विमानन महानिदेशालय के आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए कि 41.6 प्रतिशत व्यवधान तकनीकी मुद्दों के कारण होते हैं, उड़ानों में विलंब की बढ़ती घटनाओं का समाधान करने में विफल रहने के क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान (बीई) की तुलना में वर्ष 2023-24 के बीई से 756.22 करोड़ रुपए की कटौती की गई है। तथापि, वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमान (आरई) की तुलना में वर्ष 2023-24 के आरई में केवल 263.44 करोड़ रुपए की कटौती की गई है। एलाइंस एअर एविएशन लिमिटेड (एएएएल) को वित्तीय सहायता देने के लिए एआईएएचएल में इक्विटी निवेश के लिए वर्ष 2023-24 के आरई में 600 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया था, जो वर्ष 2024-25 के आरई में प्रदान नहीं किया गया है। डीजीसीए, बीसीएएस और एएआईबी के लिए संयुक्त भवन के निर्माण के लिए भुगतान जारी करने के पश्चात, वर्ष 2023-24 के आरई में आवंटित 166.25 करोड़ रुपए के बजट को वर्ष 2024-25 के आरई में घटाकर 29.2 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

(ख) मौसम, तकनीकी, परिचालन और विविध कारणों के वजह से उड़ानों में विलंब होता है या उड़ान रद्द किए जाते हैं। यदि विलंब तकनीकी कारक जैसे इंजन की समस्या, विद्युत विफलता, हाइड्रोलिक्स समस्या आदि के कारण हो, तो एयरलाइन/ अनुरक्षण संगठन अगली उड़ान से पहले दोषों को ठीक कर देता है। बार-बार होने वाले तकनीकी दोषों के लिए, एयरलाइन मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) के परामर्श से उनका समाधान करती है।

डीजीसीए नियमित रूप से एयरलाइनों की संपरीक्षा, स्थल जांच, रात्रि निगरानी और रैंप निरीक्षण करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तकनीकी कारणों से होने वाले विलंब कम हो। जांच के दौरान, यदि कोई बड़ा अवलोकन या कमी पाई जाती है, तो डीजीसीए द्वारा आवश्यक प्रवर्तन कार्रवाई की जाती है।

*****